BAGLAMUKHI PRATYANGIRA KAVACH

बगला प्रत्यंगिरा कवच

◆ **विनियोग** ◆

"अस्य श्री बगला प्रत्यंगिरा मन्त्रस्य नारद ऋषिस्त्रिष्टुप छन्दः प्रत्यंगिरा देवता ह्लीं बीजं हूं शक्तिः ह्रीं कीलकं ह्लीं ह्लीं ह्लीं ह्लीं प्रत्यंगिरा मम शत्रु विनाशे विनियोगः।"

◆ **मन्त्र** ◆

"ॐ प्रत्यंगिरायै नमः प्रत्यंगिरे सकल कामान् साधय मम रक्षां कुरु कुरु सर्वान् शत्रुन् खादय-खादय, मारय-मारय, घातय-घातय ॐ ह्रीं फट् स्वाहा।"

ॐ भ्रामरी स्तम्भिनी देवी क्षोभिणी मोहिनी तथा।
संहारिणी द्राविणी च जृम्भणी रौद्ररूपिणी॥
इत्यष्टौ शक्तयो देवि शत्रु पक्षे नियोजताः।
धारयेत् कण्ठदेशे च सर्व शत्रु विनाशिनी॥

ॐ ह्रीं भ्रामरी सर्व शत्रून् भ्रामय भ्रामय ॐ ह्रीं स्वाहा।
ॐ ह्रीं स्तम्भिनी मम शत्रून् स्तम्भय स्तम्भय ॐ ह्रीं स्वाहा।
ॐ ह्रीं क्षोभिणी मम शत्रून् क्षोभय क्षोभय ॐ ह्रीं स्वाहा।
ॐ ह्रीं मोहिनी मम शत्रून्मोहय मोहय ॐ ह्रीं स्वाहा।
ॐ ह्रीं सहारिणी मम शत्रून् संहारय संहारय ॐ ह्रीं स्वाहा।
ॐ ह्रीं द्राविणी मम शत्रून् द्रावय द्रावय ॐ ह्रीं स्वाहा।
ॐ ह्रीं जृम्भिणी मम शत्रून् जृम्भय जृम्भय ॐ ह्रीं स्वाहा।
ॐ ह्रीं रौद्रि मम शत्रून् सन्तापय सन्तापय ॐ ह्रीं स्वाहा।

卐 卐 卐

विशेष

इस कवच के पाठ से वायु भी स्थिर हो जाती है। शत्रु का विलय हो जाता है। विद्वेषण, आकर्षण, उच्चाटन, मारण तथा शत्रु का स्तम्भन भी इस कवच के पढ़ने से होता है। बगला प्रत्यंगिरा सर्व दुष्टों का नाश करने वाली, सभी दुःखों को हरने वाली, पापों का नाश करने वाली, सभी शरणागतों का हित करने वाली, भोग, मोक्ष, राज्य और सौभाग्य प्रदायिनी तथा नवग्रहों के दोषों का दूर करने वाली हैं। जो साधक इस कवच का पाठ तीनों समय अथवा एक समय भी स्थिर मन से करता है, उसके लिए यह कल्पवृक्ष के समान है, और तीनों लोकों में उसके लिए कुछ भी दुर्लभ नहीं है। साधक जिसकी ओर भरपूर दृष्टि से देख ले, अथवा हाथ से किसी को छू भर दे, वही मनुष्य दासतुल्य हो जाता है।

(इति श्री रुद्रयामले शिवपार्वति सम्वादे बगला प्रत्यंगिरा कवचम्)

About The Author

Name :- **Shri Yogeshwaranand Ji**
Mb :- **+919917325788, +919675778193**
Email ;- **shaktisadhna@yahoo.com**

Some Of the Books Written By Shri Yogeshwarnand Ji

1. **Baglamukhi Sadhna Aur Siddhi**
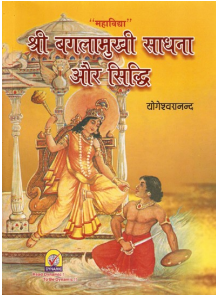
Download Click Here

2. **Mantra Sadhna**
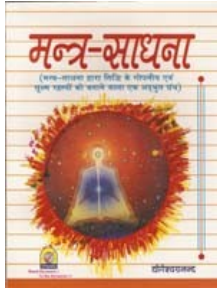
Download Click Here

3. **Shodashi Mahavidya**

Download Click Here